प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली: 21 जनवरी 2022

एथलीट-केंद्रित दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए भारत का भारोत्तोलन एचपीडी अविनाश पांडू

जनवरी 21 नई दिल्ली: भारोत्तोलन के लिए भारत के पहले उच्च-प्रदर्शन निदेशक (एचपीडी), अवीनाश पांडू ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय भारोत्तोलन के लिए उनके दृष्टिकोण से एथलीट-केंद्रित दृष्टिकोण को अपनाना होगा, जहां भारत उनके विकास और प्रशिक्षक शिक्षा पर अच्छी तरह् से ध्यान केंद्रित करेगा।

भारतीय खेल प्राधिकरण (भाखेप्रा) द्वारा आयोजित एक मीडिया बातचीत के दौरान, श्री पांडू ने कहा कि वह पर्यावरण को थोड़ा और जानने के लिए भाखेप्रा और भारतीय भारोत्तोलन महासंघ के साथ काम करेंगे, उन्होंने कहा कि, "मैं देखूंगा कि हमारे पास पहले से क्या है और इसक रोडमैप और रणनीति को भी देखूंगा। मैं हमारी प्रतिभा पहचान और विकास कार्यक्रम को भी देखना चाहता हूँ।

उन्होंने कहा कि "हमें यह देखना है कि प्रतिभा कहाँ से आ रही है और यह केवल इसी क्षेत्र से क्यों आ रही है, उसके बाद देखना है कि जो पहले से मौजूद है उसे हम कैसे बेहतर कर सकते हैं अथवा बदल सकते हैं। "हम अपनी प्रतिभा के विकास को भी देखेंगे और जाहिर है कि केन्द्र में एथलीटों के साथ प्रशिक्षण नेतृत्व भी होगा।

श्री पांडू ने कहा कि उनका ध्यान अंतरराष्ट्रीय चैंपियन बनाने में भारत को मदद करने की क्षमता के साथ एक मजबूत कोचिंग संरचना बनाने पर होगा। "हम उपलब्ध संसाधनों और कोच शिक्षा को देखेंगे, और देखेंगे कि क्या कमी है," उन्होंने कहा, हर साल 100 कोचों और 60 रेफरी के लिए विकासशील कार्यक्रमों की बात करते हुए।

उन्हें पेरिस में 2024 ओलंपिक खेलों तक भारोत्तोलन के लिए भारत के एचपीडी के रूप में नियुक्त किया गया है, जिसमें जूनियर प्रतिभा के विकास पर विशेष ध्यान दिया गया है और 2028 एलए ओलंपिक पर नजर है। उन्हें दक्षिण अफ्रीका और इंडोनेशिया में दो दशकों से अधिक का कोचिंग अनुभव है।

उच्च प्रदर्शन निदेशक के रूप में अपनी भूमिका में, अवीनांश पांडू ने रियो डी जनेरियो में 2016 के ओलंपिक खेलों में दो इंडोनेशियाई भारोत्तोलकों को पदक दिलाने में मदद करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

ईओएम